हामी विश्वास गर्छौं

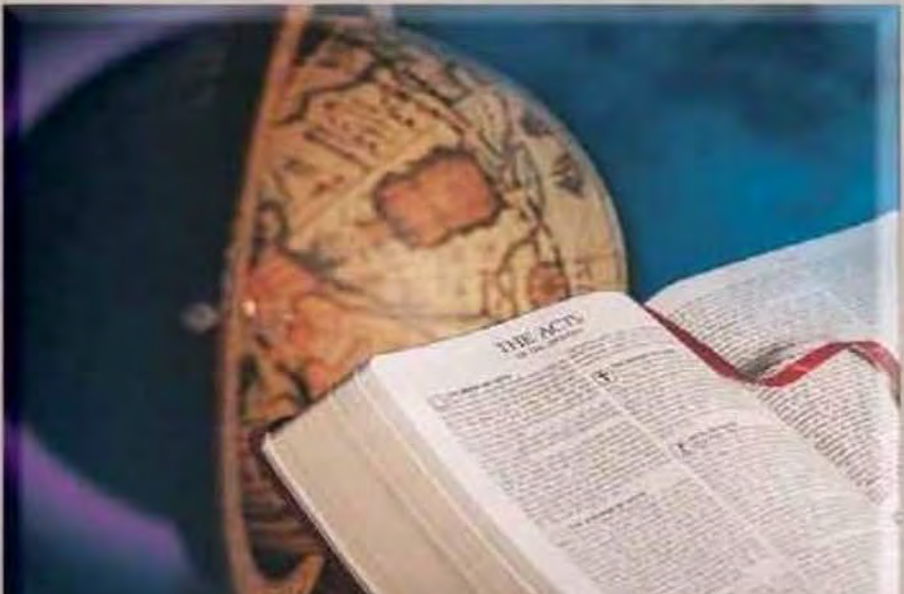

We Believe
CL3330
Nepali

हमारा विश्वास

जूडी बारटेल के द्वारा अनुकूलित

लेखक — राल्फ एम॰ रिग्स
©इन्टरनेशनल कॉरसपोन्डेन्स इन्सटीट्यूट

आई॰सी॰आई॰ इन्टरनेशनल आफिस के कार्यकत्ताओं
के सहयोग से विकसित

इन्टरनेशनल कारेसपोन्डेन्स इन्स्टीट्यूट
पोस्ट बैग नं. 1, एन्ड्रूज गंज
नई दिल्ली-110 049

CL 3330-HN

© 1990 सर्वाधिकार सुरक्षित
इन्टरनेशनल कॉरिसपॉन्डेन्स इन्स्टीट्यूट
ब्रूसेल्स, बेल्जियम
डी/१९८०/२१४५/२५

विषय-सूची

	पृष्ठ
सर्व प्रथम, आइये कुछ बातचीत करें	5
पाठ	
1. बाइबल	10
2. परमेश्वर	18
3. मनुष्य	26
4. पाप	34
5. यीशु मसीह	44
6. उद्धार	56
7. पवित्र आत्मा	68
8. कलीसिया	76
9. आत्माओं का संसार	86
10. भविष्य	96
11. परमेश्वर की व्यवस्था	106
12. परमेश्वर के साथ हमारा सम्बन्ध	118
13. दूसरों के साथ हमारा सम्बन्ध	128
14. एक मसीही एवं स्वयं	138
15. मसीही जीवन	148
16. पवित्र आत्मा से परिपूर्ण जीवन	162

सर्वप्रथम, आइये कुछ बातचीत करें

आपके स्टेडी गाइड लेखक का एक संदेश

मसीही लोग क्या विश्वास करते हैं इसके संबंध में क्या आपके मन में कभी ऐसे प्रश्न उठे? क्या आपके मित्रों ने कभी आपसे पूछा कि आप ऐसा विश्वास क्यों करते हैं और आप उत्तर न दे सके हों। यदि हां तो यह पाठ्यक्रम विशेषतः आपके लिये है। अध्ययन के पश्चात् भी आप इसे अपने पास रख सकते हैं और कोई प्रश्न उठने पर तुरन्त उत्तर देख सकते हैं।

यह पाठ्यक्रम धर्मशास्त्र बाइबल की मुख्य शिक्षाओं पर आधारित है। हम उन्हें मूलभूत सिद्धान्त कह सकते हैं। आप न सिर्फ इसलिए पढ़ें कि वे प्रश्नों के उत्तर दें किन्तु यह जानते हुए कि परमेश्वर विभिन्न विषयों पर क्या कहता है यह आपके एवं जिन पर अपना प्रभाव डालते हैं के जीवन या मृत्यु का कारण हो सकता है।

धर्मशास्त्र के पद जिनका आप अध्ययन एवं कंठस्थ करते हैं आत्मिक रूप से बढ़ने में आपकी सहायता करेंगे। आप इन्हें अपनी निजी आराधना तथा व्यक्तिगत प्रचार एवं दूसरों को धर्मशास्त्र की शिक्षा देने में महत्वपूर्ण पायेंगे। और जैसे कि धर्मशास्त्र स्वयं कहता है कि वचन का ज्ञान विश्वास बढ़ाता है।

एक आधुनिक प्रणाली जो स्वयं को शिक्षित करने के लिये है यह आपको इनके सिद्धान्तों को सिखाने तथा इन्हें तुरन्त व्यवहार में लाने में सहायक हैं।

आपकी स्टेडी गाइड (अध्ययन पुस्तिका)

"हमारा विश्वास" एक पॉकिट साईज़ कार्य-पुस्तक है जिसे आप साथ रखकर जब भी थोड़ा समय मिले इसका अध्ययन कर सकते हैं। प्रतिदिन इसके अध्ययन के लिये कुछ समय अलग करने की कोशिश करें।

आप ध्यान देंगे कि प्रत्येक पाठ के आरम्भ से उद्देश्य दिए गए हैं। उद्देश्य शब्द का प्रयोग इस पुस्तक में आपकी सहायता के लिये कि आपको इसके अध्ययन से क्या प्राप्त होगा, किया गया है। एक उद्देश्य लगभग एक लक्ष्य या एक प्रयोजन के समान है। यदि आप इन उद्देश्यों को ध्यान में रखें तो उसका अध्ययन अच्छा होगा।

प्रत्येक पाठ के प्रथम दो पृष्ठों को ध्यान से पढ़ना न भूलें। यह आपको आगे आने वाली बातों के लिए तैयार करेगा। इसके बाद पाठ का अध्ययन खण्ड व खण्ड करें तथा जो आपको करना है के अन्तर्गत दिये गये निर्देशों का पालन करें। यदि आपके अध्ययन प्रश्नों का उत्तर अध्ययन पुस्तिका में लिखने के लिये अधिक जगह न हो तो उन्हें एक अभ्यास पुस्तिका में लिख लें ताकि जब आप पाठ का पुनरावलोकन करें तब इससे सहायता लें। यदि आप इस कोर्स का अध्ययन एक समूह के साथ कर रहे हैं तो अपने समूह-अगुए के निर्देशों का पालन करें।

अध्ययन प्रश्नों का उत्तर कैसे दें

इस अध्ययन-पुस्तिका में विभिन्न प्रकार के अध्ययन प्रश्न दिये गये हैं। नीचे कई प्रकार के नमूने दिये गये हैं और इनके उत्तर की विधियां दी गई हैं।

एक **बहुसंख्या-चुनाव** या विषय आपको दिये गये तथ्यों में से उत्तर का चुनाव करने को कहा गया है।

बहुसंख्या-चुनाव प्रश्न का उदाहरण

बाइबल की पुस्तकों की कुल संख्या

अ. १०० पुस्तकें

ब. ६६ पुस्तकें

स. २७ पुस्तकें

सही उत्तर (ब) है ६६ पुस्तकें। अपनी अध्ययन पुस्तिका में ब. के चारों ओर गोलाकार बनाओ जैसे नीचे दिखाया है।

१.

अ. १०० पुस्तकें

(ब) ६६ पुस्तकें

स. २७ पुस्तकें

(कुछ बहुसंख्या-चुनाव विषयों के लिये एक से अधिक उत्तर सही हैं। उस स्थिति में आप प्रत्येक सही उत्तर के अक्षर के चारों ओर वृत्त खींच दें।)

एक सही-गलत प्रश्न या विषय में आपसे कहा गया है कि कई कथनों में कौन सा कथन सही है।

सही-गलत प्रश्न का उदाहरण : —

२. नीचे लिखे कौन से कथन सही हैं?

अ. बाइबल में कुल १२० पुस्तकें हैं?

ब. आज विश्वासियों के लिये बाइबल एक संदेश है।

स. सभी बाइबल लेखकों ने इब्रानी भाषा में लिखा।

ड. पवित्र आत्मा ने बाइबल के लेखकों को प्रेरित किया।

कथन 'ब'. और 'ड़.' सही हैं। अपने चुनाव को बताने के लिये आप इनके चारों ओर वृत्त खींच दें, जैसे आप ऊपर देखते हैं।

एक **मेल** प्रश्न या विषय आपको मिलती-जुलती बातों को मेल करने को कहती है, जैसे किसी वर्णन के साथ उनके नाम या बाइबल पुस्तकों के साथ उनके लेखक।

मेल प्रश्न का उदाहरण

३. प्रत्येक वाक्यांश के सामने उस अगुए की संख्या लिखिये जिसका वर्णन दिया गया है।

१. अ. सीनै पर्वत पर व्यवस्था प्राप्त की १) मूसा

२. ब. इस्राएलियों को यरदन के पार ले गया २) यहोशू

२. स. यरीहो के चारों ओर चक्कर लगाये।

१. ड. फिरौन के दरबार में रहा।

वाक्यांश अ. और ड. मूसा के विषय में तथा ब. और स. यहोशू के विषय में बताता है। आप संख्या १ अ. और ड. के सामने तथा संख्या २ ब. और स. के सामने लिख दें।

आपकी छात्र रिपोर्ट :

यदि आप प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये अध्ययन कर रहे हैं, आपको एक अलग पुस्तिका "छात्र रिपोर्ट प्रश्न पुस्तिका" "हमारा विश्वास" प्राप्त हुआ होगा। इस पुस्तिका में दो अनुच्छेद हैं। आपको स्टेडी गाइड बतायेगा कि आप प्रत्येक अनुच्छेद की पूर्ति कब करें।

अपने क्षेत्र के आई.सी.आई. कार्यालय में उत्तर पुस्तिका भेजने के लिए विद्यार्थी रिपोर्ट पुस्तिका में दिए गए निर्देशों का पालन कीजिए। उत्तर पुस्तिका भेजने एवं पत्र व्यवहार के लिए इस पुस्तक के आरंभ व अन्तिम पृष्ठ पर पता लिखा है। जब आप अध्ययन पूरा करके जांच के लिए दिए गए प्रश्नों के उत्तर आई.सी.आई. कार्यालय में भेजेंगे तब आपको एक सुन्दर प्रमाण-पत्र भेजा जाएगा।